



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 479] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 25, 1992/अग्रहायण 4, 1914  
No. 479] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 25, 1992/AGRAHAYANA 4, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विम संसालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1992

सं. 28/92 - केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (नूतन टो)

सा. का. नि. 891(अ) - केन्द्रीय सरकार का यह सन्धान हो गया है कि ऐसा प्रथा के अनुसार जो  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क धीरे धीरे नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) जिसे इसके पश्चात् उक्त केन्द्रीय उत्पाद  
शुल्क धीरे धीरे नमक अधिनियम कहा गया है) के अन्तर्गत उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण का वास्तविक (जिसे के अंतर्गत उस  
का उद्ग्रहण न किया जाता है) माध्यमता प्रवर्तित था, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दैनिक प्रवर्तित, 1984 (1984  
का 5) की धनसूची के उपखंड में 3212 90 के अन्तर्गत आने वाले 47 नए प्रकार के शुल्क संश्लेष

अल्ट्रामैरीन ब्लू में से विनिर्मित पट्टकर विक्रय के लिये छोटे पैकेजों में रखे गए अल्ट्रामैरीन ब्लू पर केन्द्रिय उत्पाद शुल्क 28 फरवरी, 1986 में प्रारंभ होने वाली और 6 दिसम्बर, 1990 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान केन्द्रिय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम का धारा 3 के अधीन उद्वेष्टता न किया गया था,

और पूर्वोक्त अवधि के दौरान उक्त केन्द्रिय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम के अधीन ऐसे अल्ट्रा-मैरीन ब्लू पर विशेष शुल्क भी उद्वेष्टता नहीं किया गया था।

ध 1, अब केन्द्रिय सरकार, केन्द्रिय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम का धारा 11 ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेदन देता है कि उक्त प्रथा के न होने पर उक्त केन्द्रिय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम की धारा 3 के अधीन ऐसे अल्ट्रामैरीन ब्लू का बाजार उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क का संदाय किया जाता अधिस्त नहीं होगा जिस पर पया के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उत्पाद शुल्क और विशेष शुल्क उद्वेष्टता किया गया था।

3)

[फा स. 95/7/91-साणकम-3]

अरविन्द मिह, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 25th November, 1992

NO. 28/92-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 894(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said Central Excises & Salt Act), the duty of the Central Excise on ultramarine blue falling under sub-heading No. 3212.90 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), put up in small packings for retail sale, manufactured out of duty paid ultramarine blue purchased in bulk, was not being levied under Section 3 of the said Central Excises and Salt Act, during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 6th day of December, 1990 ;

And whereas, the special duty of excise on such ultramarine blue was also not being levied under the said Central Excises and Salt Act during the period aforesaid :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the said Central Excises and Salt Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under Section 3 of the said Central Excises and Salt Act, on such ultramarine blue, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such ultramarine blue on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid. in accordance with the said practice.

[F. No. 95/7/91-CX. 3]

ARVIND SINGH, Under Secy.

